an>

Title: Need to construct a new airport in Haryana.

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली एनसीआर में आइजीआइ एयरपोर्ट के समकक्ष स्थापित होने वाले दूसरे एयरपोर्ट की ओर दिलाना चाहूँगा।

दुनिया के तमाम देशों में न्यूयार्क से लेकर टोकियो तक कई एयरपोर्ट उनके इर्द-गिर्द हैं। इस बात को देखते हुए और बढ़ते हुए एयर-ट्रैफिक को देखते हुए 16 दिसम्बर, 2009 को कांग्रेस पार्टी की हुड्डा सरकार ने हरियाणा में मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन में एक दूसरा एयरपोर्ट स्थापित करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को दिया था । सर, 23 जून, 2010 को इंस्पेक्शन ऑफ साइट्स इन हरियाणा और प्रि-फिजीबिलिटी स्टडी की गयी थी, जिसमें उसे हरी झण्डी मिली थी। मगर कहा गया था कि एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर पॉलिसी, 1997 में नियम है कि 150 किलोमीटर तक कोई एयरपोर्ट स्थापित नहीं किया जा सकता है।

इसके संबंध में 29 अप्रैल, 2011 को मैं स्वंय तत्कालीन प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी से मिला था। उनसे मिलने के बाद इस नियम की बाध्यता को दूर किए जाने का रास्ता प्रशस्त हुआ था। इसके बाद 15 अक्तूबर, 2011 को मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस ने इस काम के लिए एन.ओ.सी. दी थी, क्योंकि इसमें एयर-फोर्स की एन.ओ.सी. आवश्यक होती है। अप्रैल, 2012 में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इसके लिए 'फीज़िबिलिटी स्टडी ग्रुप' की स्थापना की थी, जिसकी रिपोर्ट नवंबर, 2013 में आई थी। हरियाणा में 7 जिलों के बीच में 'मेहम' आता है। उस रिपोर्ट में 'मेहम' में एक एयरपोर्ट की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव था। 'फीज़िबिलिटी स्टडी ग्रुप' ने मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन को 2016-17 तक इस एयरपोर्ट को इंटरनेशनल कार्गो एयरपोर्ट और 2018 से इसे फुल सर्विस्ड ऑपरेशंस इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रूप में स्थापति करने का प्रस्ताव दिया था। जनवरी, 2014 में मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन ने इस रिपोर्ट को अपनाकर इसे से हरी झंडी दी थी, मगर अभी हाल में उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की बड़ी जीत होने के बाद हमने देखा कि भारत सरकार की एक कैबिनेट मीटिंग हुई। उस मीटिंग में 15 से 20 हजार करोड़ रुपए के इस एयरपोर्ट को नोएडा के समीप 'जेवर' में एन.सी.आर. के दूसरे एयरपोर्ट के रूप में स्थापित किए जाने की घोषणा कर उसे मंजूरी दे दी गई।

मैडम, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि उत्तर-प्रदेश के साथ हमारी कोई लड़ाई नहीं है। यदि यह एयरपोर्ट 'जेवर' में स्थापित हो, तब भी हम इस पर लड़ना नहीं चाहते हैं। भारतीय जनता पार्टी वाले बात करते हैं - 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत'। मैं पूछना चाहता हूँ कि इस 'एक भारत' में हरियाणा आता है या नहीं आता है? जब इस एयरपोर्ट को सारी मंजूरियाँ मिल गई थीं, तो अंतिम समय में इसे उत्तर प्रदेश में क्यों स्थापित किया गया। मैं कहना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश में यह स्थापित हो, मगर साथ ही साथ 'मेहम' क्षेत्र के लिए जो मंजूरी मिली थी, वहाँ भी एयरपोर्ट स्थापित किया जाए। इसके साथ ही साथ हरियाणा के हिसार और करनाल में 2 और एयरपोर्ट्स मंजूरशुदा हैं। इन दोनों एयरपोर्ट्स के संबध में वहाँ कोई कार्य नहीं हो रहा है।

मैडम, हरियाणा अकेला ऐसा राज्य है, जहाँ एक भी एयरपोर्ट नहीं है। इस पर मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन जवाब दे। हरियाणा में जो एयरपोर्ट्स मंजूरशुदा हैं, उन्हें वहाँ स्थापित किया जाए और 'मेहम' क्षेत्र में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के समकक्ष एक एयरपोर्ट जरूर स्थापित किया जाए, ताकि वहाँ के लाखों युवाओं को रोज़गार मिल सके तथा 'एक भारत' की जो बात की जाती है, उसमें हरियाणा को भी शामिल किया जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री राजीव सातव को श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।